श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज, गोण्डा के बी0एड0 विभाग में एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया

दिनांकः 25.05.2023

विषयः ''भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भूमिका''

दिनांक 25.05.2023 को बी0एड0 विभाग, श्री बाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज गोण्डा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ''भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भूमिका'' पर एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर पुर्ष्पाजन के साथ किया गया। बी0 एड0 विभाग की छात्राध्यापिकाओं, सुब्रा मिश्रा, सौम्या व मीनू पाण्डेय ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति जय प्रकाश विश्वविश्वविद्यालय, छपरा बिहार व विशिष्ट अतिथि डॉ0 सूर्यपाल सिंह, पूर्व प्राचार्य भटौली बाजार डिग्री कालेज, गोरखपुर रहे। बी0एड0 विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 श्याम बहादुर सिंह ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर शाल व मोमेन्टो भेंट किया। विभाग के अन्य प्राध्यापकों, डॉ0 नीरज यादव व प्रो0 दीनानाथ तिवारी ने विशिष्ट अतिथि को बुके भेंट किया, डॉ0 लोहंस कुमार कल्याणी, श्री राजेन्द्र मिश्र ने विशिष्ट अतिथि को बुके देकर उनका स्वागत किया। श्रीमती प्रतिभा सिंह ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट किया। वहीं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों प्रो0 अतुल कुमार सिंह, प्रो0 आर0 बी0 एस0 बघेल, प्रो0 बिनोद प्रताप सिंह, ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को मोमेन्टो व बुके देकर स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार जी का इस कार्यक्रम में पूरा सहयोग रहा। उनका स्वागत प्रो0 अतुल कुमार सिंह, प्रो0 दीनानाथ तिवारी एवं मुख्य नियन्ता, प्रो0 श्याम बहादुर सिंह बुके देकर किया।

''भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भूमिका'' विषय पर दिनांक 25.05.2023 को बी० एड० विभाग– श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज गोण्डा द्वारा एक दिवसीय विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रा0 हरिकेश सिंह,पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा बिहार ने कहा ''भारत को विश्व गुरु बनने के

लिए मनुष्य को आत्म गुरु होना आवश्यक है।'' आत्म चेतना को जागृत करके ही विकास और ज्ञान का पथ प्रशस्त किया जा सकता है।

उन्होंने भारत वर्ष की आजादी से लेकर अद्यतन विभिन्न शिक्षा नीतियों पर विहंगम प्रकाश डालते हुऐ वर्तमान में लागू की गयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को जमीनी स्तर पर उसके मूल उद्देश्य के साथ लागू करने पर बल दिया। उन्होंने अबतक के शिक्षा आयोगों में सबसे महत्वपूर्ण कोठारी आयोग (1964–66) को बताया और कहा यदि ठीक ढंग से इस आयोग के सिफारिश को लागू की जाती तो शिक्षा की इतनी 'दुर्दशा' न होती। जैसे आयोग ने शिक्षकों के लिए अनुकूल और प्रयाप्त सेवा शर्तें प्रदान करने और उन्हे उन निष्कर्षो को संचालित करने तथा प्रकाशित करने के लिए आवश्यक स्वतन्त्रता प्रदान करने की सिफारिश की थी। स्नातकोत्तर स्तर के अनुसंधान, प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देकर प्रर्याप्त पुस्तकालय प्रयोगशालाएँ और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर शिक्षा में सुधार की सिफारिश की थी। उन्होंने यह भी कहा कि 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी 'कोठारी आयोग' की सिफारिशों से प्रभावित थी। उन्होंने पहली शिक्षानीति NEP–1968 के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और कहा उसका क्रियान्नवयन ठीक से नहीं किया गया। मनसा, वाचा, और कर्मणा के बारे में कहा कि केवल नीति बनाना बड़ी बात नहीं है बल्कि उसका ठीक से क्रियान्वयन कराना है। उन्होने नालन्दा, तक्षशिला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा शिक्षा के द्वारा ही राष्ट्र को ज्ञान शक्ति बनाया जा सकता है। मुख्य वक्ता ने यूनेस्को की एक रिपोर्ट–लर्निम द ट्रेजर विथ इन (Learning the Treasure with in) के बारे में कहा कि शिक्षा के चार स्तम्भ है– (i) Learning to know (ii) Learning To Do (iii) Learning to Live Together (iv) Learning to Be इसी के साथ छात्र व शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका का वर्णन करते हुए कहा कि यदि शिक्षक दौड़ते है तो छात्र चलते है, शिक्षक चलते हैं तो छात्र रेगते है। शिक्षक रेगते है तो छात्र खड़े होते है, शिक्षक खड़े होते है तो छात्र बैठ जाते है। शिक्षक बैठते हैं तो छात्र सो जाते हैं, और जब शिक्षक सो जाते हैं तो छात्र मर जाते है।

कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता प्रसिद्ध शिक्षा विद् डा० सूर्यपाल सिंह, पूर्व प्राचार्य., भटौली बाजार डिग्री कॉलेज, गोरखपुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का मूल भारत वर्ष की ज्ञान विरासत को नई पीढ़ी के साथ जोड़ना बताया। ''भारत वैज्ञानिक उपलब्धियों का देश रहा है और आज का युवा इन उपलब्धियों से अनभिज्ञ है। हमें यह चाहिए कि हम अपनी युवा पीढ़ी को अपने विरासत के बारे में इतना जागरूक कर दें, कि उन्हें पश्चिम देशों के बजाय अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस हो। अपनी भाषा और संस्कृति को संजोना आवश्यक है ।

मुख्य नियन्ता व बी0एड0 विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो० श्याम बहादुर सिंह ने वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को अद्यतन रहने की सलाह दी। उन्होने कहा कि अधिक मेहनत और अधिक प्रयास से हम विकासशील से विकसित देश बन सकते हैं। विश्व गुरु बनने के लिए हमें अन्य देशों की तुलना में अधिक ज्ञानवान बनना होगा, जिससे अन्य लोग स्वतः ही ज्ञान विपासा को शान्त करने के लिए ही भारत वर्ष की ओर उन्मुख हो जाऐं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मानव मस्तिष्क विकास के वैज्ञानिक पहलुओं पर बल देते हुऐ राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता मातृभाषा में ज्ञान देना बताया।

उक्त कार्यक्रम का संचालन कि डॉ0 चमन कौर, असि0 प्रोफेसर, बी० एड० विभाग ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो० सन्दीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 नीरज यादव, डॉ0 लोहंस कुमार कल्याणी, श्री राजेन्द्र मिश्र, श्रीमती प्रतिभा सिंह, प्रो0 अतुल कुमार सिंह, प्रो0 आर0 बी0एस0 बघेल, प्रो0 शिव शरण शुक्ला,, प्रो0 दीना नाथ तिवारी, प्रो० श्रवण कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 रेखा शर्मा, प्रो0 शशि बाला, प्रो0 बिनोद प्रताप सिंह, डॉ0 अमित शुक्ला, डॉ0 बैजनाथ पाल, डॉ0 दलीप सिंह, डॉ0 पंकज त्रिपाठी, डॉ0 नीलम छाबड़ा, डॉ0 अनुराग, डॉ0 बृजेश त्रिपाठी, प्रो0 एस0पी0 मिश्र व बी0एड0 विभाग की छात्राएं–सुब्रा, सौम्या, मीनू, श्रेया पाण्डेय, मनीषा, सुनील द्विवदी, विकास उपाध्याय, राम जीत, शक्ति सिंह सहित अधिक से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गोष्ठी में पधारते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार

गोष्ठी में मंचासीन प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा बिहार, प्रो0 रवीन्द्र कुमार (प्राचार्य), प्रो0 आर0पी0 सिंह (पूर्व प्राचार्य) एवं विभागाध्यक्ष बी0एड0, प्रो0 श्याम बहादुर सिंह

गोष्ठी में मंचासीन प्रो0 हरिकेश सिंह, प्रो0 आर0पी0 सिंह (पूर्व प्राचार्य), प्रो0 अतुल कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष बी0एड0, प्रो0 श्याम बहादुर सिंह एवं डॉ0 चमन कौर

गोष्ठी में मुख्य अतिथियों द्वारा सरस्वती जी पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन करते हुए प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार व डॉ0 सूर्यपाल सिंह, पूर्व प्राचार्य, भटौली बजार, गोरखपुर एवं प्रो0 श्याम बहादुर सिंह, विभागाध्यक्ष, बी0एड0

गोष्ठी में छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करते हुए

गोष्ठी में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रो० अतुल कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र एवं प्रो० श्याम बहादुर सिंह, विभागाध्यक्ष, बी०एड०

गोष्ठी में अतिथि का स्वागत करते हुए प्रो0 दीनानाथ तिवारी एवं डॉ0 नीरज यादव

गोष्ठी को सकुशल सम्पन्न कराने एवं प्रो0 हरिकेश सिंह के निर्देशन पर प्राचार्य, प्रो0 रवीन्द्र कुमार जी को बुके देकर स्वागत करते हुए प्रो0 श्याम बहादुर सिंह, प्रो0 अतुल कुमार सिंह एवं प्रो0 दीनानाथ तिवारी

गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति को शाल प्रदान करते हुए असि0 प्रोफेसर, लोहांश कुमार कल्याणी

गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह को बुके प्रदान करती हुई असि0 प्रोफेसर, श्रीमती प्रतिभा सिंह

गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि डॉ0 सूर्यपाल सिंह को बुके देकर स्वागत करते हुए असि0 प्रोफेसर, राजेन्द्र नाथ मिश्र

गोष्ठी में मंच पर विराजमान अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए प्रो0 अतुल कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र विभाग

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ0 सूर्यपाल सिंह, पूर्व प्राचार्य, भटौली बाजार, गोरखपुर

गोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो0 रवीन्द्र कुमार, प्राचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज, गोण्डा

गोष्ठी में पधारे शिक्षक, छात्र/छात्राएं एवं अन्य श्रोतागण

(प्रो0 रवीन्द्र कुमार)
प्राचार्य

(प्रो0 श्याम बहादुर सिंह)
विभागाध्यक्ष, बी0एड0 विभाग